classmate
Date
Page

मान लें कि वह व्यक्ति आप ही हैं। आप ही किसी बूढ़ी महिला को सड़क पार कराते हैं। ऐसी हालत में आप भी अपने संबंध में वही धारणा बनायेंगी अर्थात अपने-आप को परोपकारी समझेंगे।

इस प्रकार स्पष्ट है कि सामाजिक प्रत्यक्षीकरण के अंतर्गत व्यक्ति-प्रत्यक्षीकरण तथा स्व-प्रत्यक्षीकरण दोनों की गणना की जाती है। यहाँ भी ध्यान रखना चाहिए कि धारणा-निर्माण में पर-प्रत्यक्षीकरण तथा स्व-प्रत्यक्षीकरण दोनों निहित होते हैं।